सूर्य ग्रह के लिए मंत्र

निम्नलिखित सूर्य ग्रह के मंत्रों में से किसी भी एक मंत्र का जप श्रद्धा और विश्वास से किसी शुभ मुहूर्त या शुक्लपक्षीय रविवार के दिन प्रातः काल से आरम्भ करना चाहिये। सूर्य ग्रह के मंत्र का जप अपने सामर्थ्यानुसार, माला से, पूर्व दिशा की ओर मुख करके करें। यदि सम्भव हो तो घी का दीपक जलाकर प्रतिदिन या रविवार और बृहस्पतिवार को अवश्य करना चाहिये। सूर्य ग्रह के मंत्र जप के पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए सूर्य ग्रह के वैदिक मंत्र या पौराणिक मंत्र का जप करना या करवाना चाहिये, और अंत में दशमांश संख्या का हवन भी अर्क (आक) या आम की समिधा से करना चाहिये।

वैदिक मंत्र

ऊँ आ कृष्णेन रजसा वर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

पौराणिक मंत्र

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।

तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।

ध्यान मंत्र

पद्मासनः पद्मकरः पद्मगर्भः समद्युतिः।

सप्ताश्वः सप्तरज्जुश्च द्विभुजः स्यात् सदाविः।।

सूर्य गायत्री मंत्र

ऊँ आदित्याय विद्महे

दिवाकराय धीमहि।

तन्नोः सूर्यः प्रचोदयात्।।

बीज मंत्र

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।

तांत्रोक्त मंत्र

ऊँ ह्रीं घृणिं सूर्याय नमः।

ऊँ घृणिं सूर्य आदित्याय नमः।

ऊँ ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।

सामान्य मंत्र

ऊँ घृणिं सूर्याय नमः।

श्री बल्लभ शरणं ममः।

उपरोक्त किन्हीं एक या अधिक मंत्रों का जप श्रद्धा और विश्वास से प्रातः काल में करना चाहिये।